लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

LOK SABHA SPEAKER EXTENDS GREETINGS ON EVE OF MAHA SHIVRATRI/लोक सभा अध्यक्ष ने महा शिवरात्रि की पूर्व संध्या पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी

….

New Delhi 07 March 2024: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla has extended greetings to the people on the eve of Maha Shivratri. In his message Shri Birla said:

"Dear family Members,

Best wishes to all of you on the holy festival of Mahashivratri. Lord Shiva is the basis of our culture, the beginning of the world, the God of creation. Shiva is life and whatever is beyond life is also Shiva.

Satyam – Shivam – Sundaram. That means whatever is true is Shiva and whatever is Shiva is beautiful. Lord Shiva is the epitome of yoga and spirituality. Devadhi Dev Mahadev takes care of the whole world. Everyone desired for nectar that came out Sagar Manthan, but Lord Shiva protected the world by keeping the poison in his throat.

Shiva's family comprising of Ma Parvati, Kartikeya ji, and Lord Ganesha inspire us to maintain unity in family and society.

May the blessings of Lord Shiva always be upon you all, may everyone be well. I pray to Lord Shiva. Once again, happy Mahashivratri to all of you. The doers may or may not be able to do it, but if Shiva does it, it happens. There is no one greater than Shiva in the three worlds and nine sections.

Om Namah Shivay!

नई दिल्ली 07 मार्च 2024: लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने महा शिवरात्रि की पूर्व संध्या पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। अपने संदेश में श्री बिरला ने कहा:

“प्रिय परिवार जनों,

महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर आप सभी को बहुत-बहुत शुभकामनाएं। भगवान शिव हमारी संस्कृति के आधार हैं, संसार के आरंभ हैं, सृजन के देव हैं। शिव ही जीवन हैं और जीवन से परे भी जो कुछ है, वो भी शिव ही हैं।

सत्यम-शिवम–सुंदरम। यानि जो सत्य है, वहीं शिव है और जो शिव है, वही सुंदर है। भगवान शिव योग और अध्यात्म के साक्षात प्रतीक हैं। देवाधि देव महादेव जगत का कल्याण करने वाले हैं।

समुद्र मंथन से जो अमृत निकलाथा, उसे तो सबने प्राप्त करना चाहा, लेकिन जो विष निकला, भगवान शिव ने उस विष को अपने कंठ में धारण कर इस संसार की रक्षा की थी।

शिव परिवार में माता पार्वती, कार्तिकेय जी, और भगवान गणेश जी के साथ ही भांति-भांति के जीव हैं। आज घर-परिवारों में और समाज में एकता बनी रहे, इसके लिए हमें भगवान शिव से प्रेरणा लेनी चाहिए।

आप सभी पर भगवान शिव का आशीर्वाद सदैव बना रहे,सबका कल्याण हो। मैं भगवान शिव से यही प्रार्थना करता हूँ। आप सभी को एक बार पुनः महाशिवरात्रि की बहुत बहुत शुभकामनाएं। कर्ता करें ना कर सकें, शिव करें सो होए। तीन लोक-नौ खंड में शिव से बड़ा न कोए

ॐ नमः शिवाय।“